[**समय** : ३ घंटे] [**पूर्णांक** : १००]

कृपया जांचें कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है या नहीं।

सूचनाएः **१. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
२. दायीं ओर के अंक पूर्ण अंक दर्शाते हैं।
३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक / उप प्रश्न क्रमांक संख्या अवश्य लिखिए|

प्रश्न १. निम्नलिखित प्रश्नों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए| (२७)

(क) "काहे को खोरि कैकयिहि लावौं?
धरहु धीर, बलि जाऊँ तात! मोको आज विधाता बावौं ||
सुनिबे जोग वियोग राम को हौं न होऊँ मेरे प्यारे |
सो मेरे नयननि आगेते रघुपति बनहि सिधारे ||
तुलसिदास समूझाइ भरत कहँ, आसूँ पोंछि उर लाए |
उपजि प्रीति जानि प्रभु के हित, मनहु राम फिरि आए ||"

अथवा

"कैसा रहे
बाजार न आए बीच में
और हम एक बार
चुपके से मिल आएँ चावल से
मिल आएँ नमक से
पुदीने से
कैसा रहे एक बार... सिर्फ एक बार..."

(ख) "गरजते शेर आए, सामने फिर भेड़िये आए,
नखों को तेज, दाँतों को बहुत तीखा किये आए |
मगर, परवाह क्या? हो जा खड़ा तू तानकर उसको,
छिपी जो हड्डियों में आग-सी तलवार है साथी |"

अथवा

"समर शेष है, उस स्वराज्य को सत्य बनाना होगा
जिसका है न्यास उसे सत्वर पहुँचाना होगा
धारा के मग में अनेक जो पर्वत खड़े हुए हैं
गंगा का पथ रोक इन्द्र के गज जो अड़े हुए हैं

कह दो उनसे झुके अगर तो जग में यश पाएंगे
अड़े रहे अगर तो ऐरावत पत्तों से बह जायेंगे|"

(ग) "'प्रकृति औ' पाखंड के यह घने लिपटे बंटे, एठे तार-जिनसे कहीं गहरा, कहीं सच्चा, मैं समझता - प्यार, मेरी अमरता की नहीं देंगे ये दुहाई, छीन लेगा इन्हें हमसे देह-सा संसार अनुलेख - प्रकृति औ... देह-सा संसार |"

अथवा

"और हम क्या इसी तरह पीढ़ी दर पीढ़ी उन्हें गर्व से दिखाते रहेंगे अपनी प्राचीनताओं के खंडहर अपने मंदिर, मज्जिद, गुरूद्वारे?"

प्रश्न २. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **(३६)**

(च) सूरदास की भक्ति भावना को सोदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए |

अथवा

'सरकारी कोयल' कविता में किस तरह से व्यंग्य को दर्शाया है, सोदाहरण लिखिए |

(छ) 'जनता जगी हुई है' कविता का विस्तार से सारांश लिखिए |

अथवा

'आज कसौटी पर गाँधी की आग है' के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है उसे विस्तार से लिखिए |

(ज) 'अबकी बार लौटा तो' कविता के माध्यम से कवि क्या बताना चाहते है, उसे विस्तार से रेखांकित कीजिए |

अथवा

'स्पष्टीकरण' कविता के माध्यम से कवि ने विश्व बंधुत्व की भावना को विकसित करने का प्रयास किया है| स्पष्ट कीजिए|

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए | **(१२)**

(त) 'नदी और साबुन' कविता में निहित समस्याओं पर प्रकाश डालिए |

(थ) 'परशुराम की प्रतीक्षा' कविता के प्रथम खण्ड का कथानक विस्तार से लिखिए |

(द) 'बाजारों की तरफ भी' कविता में अनावश्यक वस्तुओं के प्रति अनासक्ति दिखाई है | उसे स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न ४. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए | **(१५)**

(प) कबीर गुरु की महिमा |

अथवा

'घर' कविता का उद्देश्य |

(फ) युद्ध से लौटे सैनिकों के मनोभाव |

अथवा

'जनता जगी हुई है' कविता में रणचंडी |

(ब) 'अंतिम ऊंचाई' कविता का केंद्रीय भाव |

अथवा

कुंवर नारायण जी का कवि परिचय |

प्रश्न ५. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए | **(१०)**

१. कबीरदास सतगुरु की महिमा का वर्णन करते हुए क्या कहते है?

२. कबीरदास भक्तिकाल के किस काव्यधारा के प्रमुख माने जाते है?

३. सेहरा पढ़ने, सोहर गाने और ठुमरी जगानें की बात कौन करता है?

४. 'आज कसौटी पर गाँधी की आग है' कविता में भारत के प्रधानमंत्री वीर जवाहरलाल नेहरू ने क्या संदेश दिया था?

५. हमारे बच्चों को कौन खरीदकर ले जाएँगे?

६. 'दिनकर' को किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ?

७. कवि के आँखों के सामने कौन भूख से तड़प रहा है?

८. कवि के अनुसार राह रोककर कौन खडी है?

९. कवि किसे जीतने की बात करता है?

१०. 'क्या वह नहीं होगा' कविता में हम किसे गुलाम बनाते है?

****